

## मानसिक स्वास्थ्य पर कोवडि टीकाकरण का प्रभाव

### प्रलिस के लयि:

मानसिक स्वास्थ्य पर कोवडि टीकाकरण का प्रभाव, [मानसिक स्वास्थ्य](#), [कोवडि-19](#), [राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम \(NMHP\)](#), आयुषमान भारत - स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (AB-HWC), राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम ।

### मेन्स के लयि:

मानसिक स्वास्थ्य पर कोवडि टीकाकरण का प्रभाव, भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति, मानसिक स्वास्थ्य जनसंख्या से संबंधित सरकारी पहल और संबंधित मुद्दे ।

[स्रोत: द हट्टि](#)

## चर्चा में क्यों?

कुछ अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि [Covid-19 के टीकाकरण](#) के बाद बना टीकाकरण वाले व्यक्तियों की तुलना में टीका लगाए गए व्यक्तियों में [मानसिक स्वास्थ्य](#) संबंधी समस्याएँ कम होती हैं ।

- कोवडि-19 के बाद 6 महीनों में अवसाद का अतिरिक्त जोखिम टीकाकरण वाले व्यक्तियों में प्रति 100,000 पर 449 था, जबकि टीकाकरण न करवाने वाले व्यक्तियों में यह प्रति 100,000 व्यक्तियों पर 1009 था ।

## कोवडि-19 के बाद मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा कतिना गंभीर था?

- चिंता और अवसाद:**
  - जो व्यक्ति कोवडि-19 होने के बाद अस्पताल में भरती होने से बच गए, उन्हें चिंता और अवसाद सहित लगातार मानसिक [स्वास्थ्य चुनौतियों](#) का सामना करना पड़ा, जो ठीक होने के बाद लगभग एक वर्ष तक बनी रही ।
  - लंबे समय तक रहने वाले कोवडि के लक्षण लगभग 5% व्यक्तियों को प्रभावित कर रहा है, भले ही इसका कारण कुछ भी हो, [इन्मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के साथ ओवरलैप होता है, जिससे बोझ बढ़ जाता है ।](#)
- स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर बढ़ा बोझ:**
  - कोवडि-19 के बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बोझ ने [स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर दबाव](#) बढ़ा दिया, जिससे इन चुनौतियों का सामना करने वाले व्यक्तियों के लिये नदिन, उपचार तथा सहायता के लिये अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता हुई ।
- बच्चों तथा सुभेद्य समुदाय पर प्रभाव:**
  - स्कूल बंद होने, बाधित दनिचर्या तथा सीमति सामाजिक संपर्क ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया, [जिससे चिंता एवं अन्य मनोवैज्ञानिक चुनौतियाँ बढ़ गईं ।](#)
  - हाशियाई समुदाय की आबादी को सामाजिक-आर्थिक असमानताओं के कारण जटलि चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कमजोरियाँ बढ़ गईं ।
- दुःख और अलगाव का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:**
  - सामाजिक अलगाव, संचार उपकरणों तक सीमति पहुँच, घरेलू तनाव तथा कोवडि-19 के कारण, वशिषकर वृद्ध जैसे कमजोर समूहों के बीच दोस्तों एवं रशितेदारों को खोने के दुःख से मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ बढ़ गईं हैं ।

## मानसिक स्वास्थ्य और टीकाकरण के बीच क्या संबंध है?

- मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों में कमी:**
  - टीका लगाए गए व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी देखी गई, भले ही उन्हें मानसिक बीमारी का पूरव इतिहास रहा हो ।
  - इससे पता चलता है कि मानसिक स्वास्थ्य परणामों पर टीकाकरण का प्रभाव पहले से मौजूद विकारों से स्वतंत्र था ।

- **कोवडि-19 की गंभीरता में कमी:**
  - टीकाकरण ने उन लोगों में कोवडि-19 की गंभीरता को कम करने में योगदान दिया, जो वायरस से संक्रमित थे। रोग की गंभीरता पर इस अप्रत्यक्ष प्रभाव से गंभीर बीमारी से जुड़े संकट को कम करके मानसिक स्वास्थ्य परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने का अनुमान लगाया गया है।
- **कम चिंता:**
  - टीकाकरण से लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा हुई और चिंता कम हुई।
  - गंभीर बीमारी या कोवडि-19 से मृत्यु के प्रति सुरक्षित महसूस करने से महामारी से जुड़ी चिंता और तनाव का स्तर कम हुआ।

## भारत में मानसिक स्वास्थ्य बीमारी की स्थिति क्या है?

- **परिचय:**
  - मानसिक स्वास्थ्य किसी व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्वास्थ्य को संदर्भित करता है, जिसमें उसकी समग्र मानसिक और भावनात्मक परिस्थितियाँ शामिल होती हैं।
  - इसमें किसी व्यक्ति की तनाव से निपटने, अपनी भावनाओं को प्रबंधित करने, अच्छे संबंध बनाए रखने, उत्पादक रूप से काम करने और तर्कसंगत निर्णय लेने की क्षमता शामिल है।
    - मानसिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य और खुशहाली का एक अभिन्न अंग है तथा यह शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है।
- **भारत में स्थिति:**
  - भारत में [नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज](#) के आँकड़ों के अनुसार, 80% से अधिक लोग ज्ञान की कमी, कलंक और देखभाल की उच्च लागत जैसे कई कारणों से देखभाल सेवाओं तक पहुँच नहीं पाते हैं।
    - वर्ष 2012-2030 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण आर्थिक नुकसान 1.03 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (WHO) होने का अनुमान है।
- **मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी पहल:**
  - [राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम \(NMHP\)](#)
  - [आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र \(AB-HWC\)](#)
  - [राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम](#)
  - [करिण हेलपलाइन](#)
  - [राष्ट्रीय कशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम](#)
  - [युवा संपदन योजना \(कर्नाटक\)](#)

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

भारतीय समाज में युवा महिलाओं में आत्महत्या क्यों बढ़ रही है? (2023)